



बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

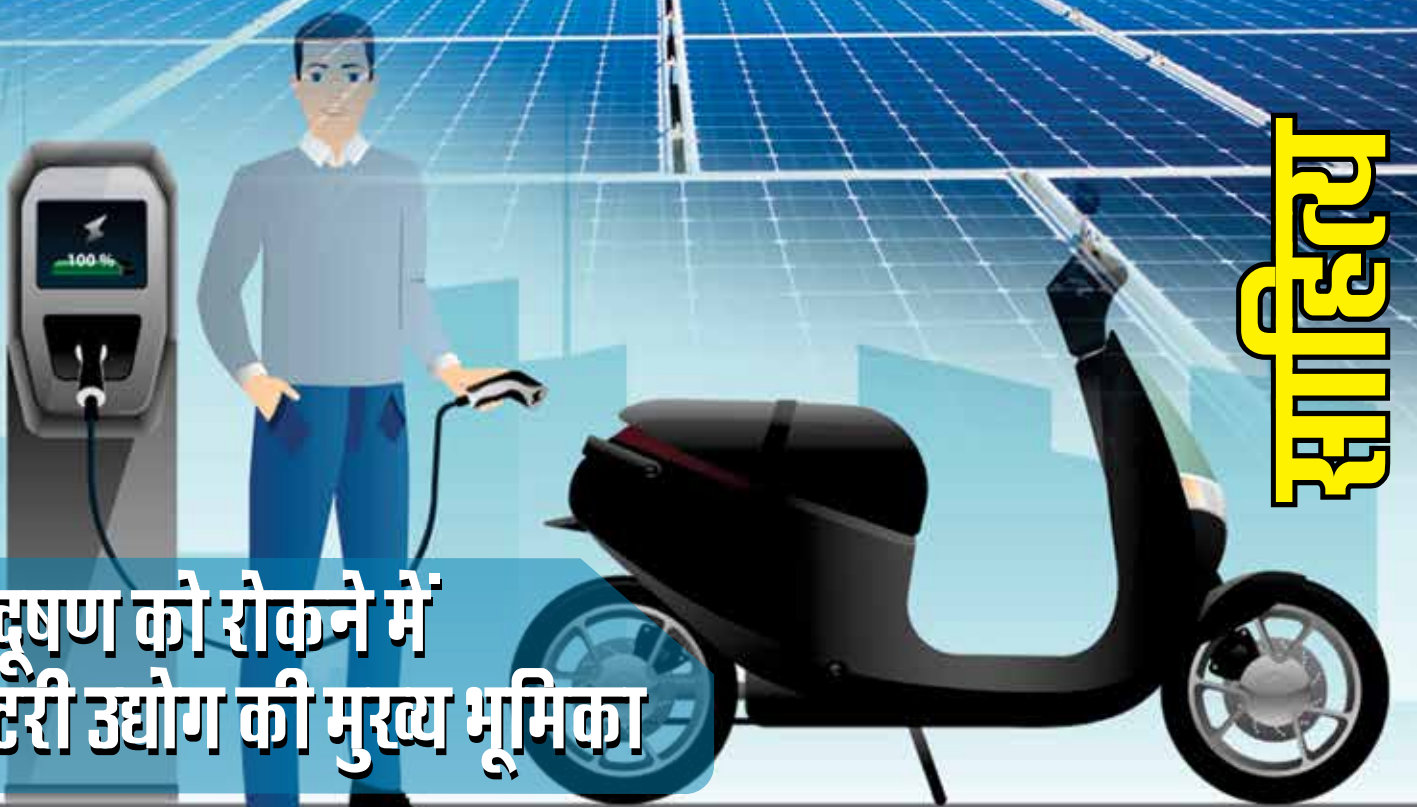
उत्पादन सामग्री के बढ़ते दाम से

उत्पादक परेशान

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व

साहित्य

प्रदूषण को रोकने में
बैटरी उद्योग की मुख्य भूमिका





उम्मीद से ज्यादा

ज्यादा पावर, ज्यादा बैकअप

फास्ट चार्जिंग और आपका भरोसा

60^{*} MONTHS WARRANTY



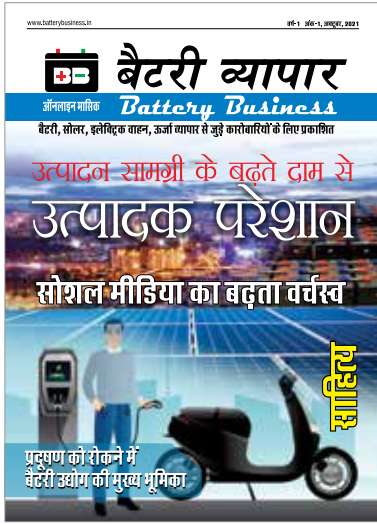
160AH

200AH

225AH

Email : customercare@staxxasolar.com
Web : www.staxxasolar.com

Toll Free : 1800-891-3910



संकलक-संपादक
विनय कुमार भक्त

साहित्यिक संपादक मंडल :

माधुरी वर्मा-वाराणसी, डॉ. आशा सिन्हा-पटना
निशा भास्कर-दिल्ली, रेणु कुमारी -पटना
पायल जैन -इटावा, उ.प्र.
मणिकर्णिका पांचाल सूर्यवंशी-दिल्ली
आशुतोष तिवारी -जोधपुर
डॉ. भागवान सहाय मीना -जयपुर
बुद्धप्रिय सुरेश सौरभ गाजीपुरी -गाजीपुर, उ.प्र.

यह सभी पद अवैतनिक हैं ।

डिजाईन, ग्राफिक्स टीम :

प्रमोद कुमार
राहुल कुशवाहा

उत्पादन अधिकारी
विजय कुमार सिंह

प्रिंटिंग :

एम.आर. डिजिटल, नारायणा, दिल्ली

प्रिंटेड कॉपी मूल्य : रुपये 120/-
डाक खर्च सहित

सम्पादकीय कार्यालय :

डिजाईनवर्ल्ड

डब्लू जेड -572 एन, बैंक साइड,
नारायणा गाँव, दिल्ली-110028

संपर्क : 9582593779

Email : info@batterybusiness.in

Website : www.batterybusiness.in

पत्रिका में प्रकाशित लेखों से संपादक, प्रकाशक, मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है ।

बैटरी व्यापार ई-पत्रिका है । पाठकों की मांग पर शुल्क लेकर प्रिंटेड पत्रिका डाक द्वारा भेजी जा सकती है ।

कलम कहे हमारी बात

सभी साथियों को दिवाली पर्व की हार्दिक शुभकामना!

कुछ काम अपने खुशी की लिये भी किया जाता है। हम किसी का सहयोग कर भी खुशी प्राप्त कर सकते हैं। लिखने-पढ़ने का शौक है, पर व्यक्तिगत समस्याओं के चलते इसमें कोई मुकाम हासिल नहीं कर पाया, पर मन में हमेशा से रहा कि एक पत्रिका के माध्यम से बैटरी व्यापार के क्षेत्र में सहयोग किया जाये। पत्रिका प्रकाशन के लिए बहुत से नियम कानून सरकार द्वारा बनाये गए हैं। पत्रिका रजिस्टर्ड कराना थोड़ा मुश्किल है। पर हम ऑनलाइन के माध्यम से भी अपनी रुचि को पूरा कर सकते हैं, अपनी कलम की बात को लोगों तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए मैंने अपनी बात को पहुंचाने के लिए ऑनलाइन माध्यम को अपनाया है तथा इलेक्ट्रॉनिक पत्रिका प्रकाशित करने का मन बनाया है। पिछले लगभग 12 सालों से मैं बैटरी उद्योग के जुड़े लोगों के साथ काम कर रहा हूँ। मुझे यह नहीं पता कि मुझे कितने लोग जानते हैं पर बैटरी उद्योग से जुड़े लोगों को मैं अच्छी तरह से जानता हूँ। बैटरी उद्योग से जुड़े लोगों को स्नेह और प्यार भी मिलता है। डिजाइनिंग और प्रिंटिंग के माध्यम से बैटरी उद्योग के सेवा में लगे हैं।

पिछले दिनों लॉकडाउन के समय सभी के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। ऐसे समय में मैंने सोशल मीडिया के एक ग्रुप के माध्यम से लगभग बैटरी व्यापार से जुड़े एक लाख को एकत्र किया है। इस ग्रुप के माध्यम से पूरे देश के साथ-साथ विदेशों के बैटरी व्यापारी भी अपने व्यापार की जानकारी इस ग्रुप के माध्यम से साझा कर रहे हैं। बहुत लोगों को चैनल पार्टनर भी मिले, बहुत से लोगों को डिलर-डिस्ट्रीब्यूटर भी मिले, बहुत से लोगों ने अपने ब्रांड को इस ग्रुप के माध्यम से साझा किया। यह सब जानकर मुझे बहुत खुशी मिल रही है तथा मन हर्षित हो रहा है।

यह सब देखते हुए मैंने एक इलेक्ट्रॉनिक पत्रिका प्रकाशन का मन बनाया और पत्रिका का पहले अंक का इलेक्ट्रॉनिक प्रति आप सब के सामने है। इसमें प्रकाशित सामग्री पर अपनी राय हमें अवश्य दें। पत्रिका बैटरी व्यापार का www.batterybusiness.in ऑनलाइन पोर्टल भी है। आप ऑनलाइन जाकर भी पत्रिका के साथ-साथ अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप भी अपनी सूचनाएं प्रकाशन के लिए उपलब्ध करवाते हैं तो इसे निःशुल्क प्रकाशित किया जायेगा। हमारा प्रयास है कि बैटरी उद्योग से जुड़ी समस्याओं को सामने लाया जाये। इसके साथ-साथ बैटरी उद्योग किसी तरह से राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहा है, इस बात को भी प्रस्तुत करना चाहते हैं। हमारे देश में सबको अपनी समस्याओं, सूचनाओं को साझा करने का अधिकार है। बैटरी व्यापार मासिक पत्रिका जितना हो सकता है आपका सहयोग करेगा। आप पत्रिका को पढ़ें अपनी प्रतिक्रिया साझा करें, हमें अच्छा लगेगा।

विनय कुमार भक्त

info@batterybusiness.in

विषय-सूची

वर्ष-01 अंक-01 अक्टूबर-2021



11

ZUNVOLT
BATTERY को चाहिए
डिलर और डिस्ट्रीब्यूटर

05 संक्षिप्त समाचार

सोलर व्यवसायी चाहता है कि सौर उपकरणों पर जीएसटी को 5% ही रहे

टाटा पावर ने एआई फर्म ब्लूवेव-एआई से करार किया

सरकार ने अक्षय ऊर्जा खपत को बढ़ावा देने के लिए ईसी अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव रखा

06 आवरण कथा

उत्पादन सामग्री के बढ़ते दाम से उत्पादक परेशान

07 आवरण कथा

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व

09 नया ब्रांड

अनुभव से उत्पादित नया रंकेर्स पॉवर

09 संक्षिप्त जानकारी

भारत के परमाणु बिजली संयंत्र सुरक्षित हैं : दिलीप भाटिया

10 वर्तमान समस्या

बेरोजगारी और रोजगार

11 बैटरी ब्रांड

ओरिन बाज़ार में बढ़ता हुआ बैटरी ब्रांड

14 भविष्य की बात

भविष्य में बैटरी की नयी तकनीक

16 साहित्य

काव्य : कुछ अलग सा...

लघुकथा : कद्र

17 कहानी

अधूरी बात ...

18 साहित्य : काव्य

आखिरी वृक्ष

सीख रही हूँ....

तुम तो तारणहारी हो

19 साहित्य : काव्य

बहुत तुम्हारी कमी खली

इक सफर हो आखिरी

अच्छा लगता है कभी-कभी

20 साहित्य : काव्य

सफ़ेद और काला

20 इलेक्ट्रिक वाहन समाचार

टाटा मोटर्स छोटे इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों की रेंज विकसित कर रही है

22 नये सदस्य

सेल्को सोलर लाइट्स के मुख्य अधिकारी मोहन भास्कर हेगड़े ने सौर उपकरणों पर गुड्स एंड सोलर टैक्स (जीएसटी) को 5% से बढ़ाकर 12% करने पर खेद व्यक्त किया, जो उन्होंने कहा कि इससे ऊर्जा क्षेत्र के विकास में बाधा आएगी। मणिपाल में भारतीय विकास ट्रस्ट द्वारा प्रचारित 'बी-सेफ सेंटर फॉर एक्सीलेंस' के उद्घाटन समारोह में भाग लेने पहुंचे मोहन भास्कर हेगड़े ने कहा कि सरकार को कम से कम 100W से कम क्षमता वाले सौर पैनलों के लिए जीएसटी दर को कम करना

चाहिए। समारोह में उपस्थित लोगों में शामिल कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री वी सुनीला कुमार से अपील करते हुए हेगड़े ने कहा कि इन सौर पैनलों की कीमत नाममात्र होनी चाहिए ताकि वे समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती हो सकें। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री वी सुनीला कुमार ने हेगड़े को आश्वासन दिया कि वह मांग पर विचार करेंगे। इस समय पूरे विश्व में ऊर्जा की मांग बढ़ रही है। जीएसटी बढ़ने से सौर प्रोडक्ट महंगे हो जायेंगे जिक कारण सौर उपकरण लोगों तक आसानी से नहीं पहुँच पाएंगे।



टाटा पावर ने एआई फर्म ब्लूवेव-एआई से करार किया



टाटा पावर ने घोषणा की कि उसने अक्षय ऊर्जा AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) कंपनी BluWave-ai को अनुबंधित किया है। "टाटा पावर ने घोषणा की कि उसने ब्लूवेव-एआई, दुनिया की पहली अक्षय

ऊर्जा एआई कंपनी के साथ तीन साल के वाणिज्यिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं," इस समझौते पर एक सफल परीक्षण परियोजना के बाद हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके दौरान टाटा पावर ने अपने

सरकार ने अक्षय ऊर्जा खपत को बढ़ावा देने के लिए ईसी अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव रखा

विद्युत मंत्रालय ने ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 में संशोधन का प्रस्ताव किया है जिसमें प्रतिष्ठानों और औद्योगिक इकाइयों द्वारा समग्र खपत में नवीकरणीय ऊर्जा की न्यूनतम मात्रा निर्दिष्ट करने का प्रावधान शामिल है। संशोधनों का उद्देश्य अक्षय ऊर्जा की खपत को बढ़ावा देना है।

ऊर्जा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और बदलते वैश्विक जलवायु परिदृश्य के बीच, भारत सरकार ने ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 में कुछ संशोधनों का प्रस्ताव करके नवीकरणीय ऊर्जा के उच्च स्तर को प्राप्त करने के लिए नए क्षेत्रों की पहचान की है। इसका उद्देश्य उद्योग, भवन, परिवहन आदि जैसे अंतिम उपयोग क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा की मांग को बढ़ाना होगा। विद्युत मंत्रालय ने विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद संशोधन तैयार किए हैं। प्रस्ताव में औद्योगिक इकाइयों या किसी प्रतिष्ठान द्वारा कुल खपत में अक्षय ऊर्जा के न्यूनतम हिस्से को परिभाषित करना शामिल है। कार्बन बचत प्रमाण पत्र के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करने का प्रावधान होगा।

पावर शेड्यूलिंग कार्यों में उपयोग के लिए इंटर-डे और डे-फॉरवर्ड डिस्पैच उत्पन्न करने के लिए ब्लूवेव-एआई क्लाउड प्लेटफॉर्म के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया था। भारत ने हाल ही में सटीक ऊर्जा निर्धारण को अनिवार्य करने के लिए उपाय किए और राष्ट्रीय ग्रिड में अक्षय ऊर्जा के ऑनबोर्डिंग में सुधार के लिए एक वास्तविक समय बाजार की शुरुआत की है। बिजली वितरण कंपनियों को अब नियोजित ऊर्जा उपयोग से विचलन के लिए सख्त दंड का सामना करना पड़ता है, जो बिजली निर्धारण में अशुद्धि के साथ बढ़ता है। अपने उद्योग में एक नवप्रवर्तक के रूप में, टाटा पावर ने पावर शेड्यूलिंग को अनुकूलित करने और इस प्रकार नए नियामक परिवर्तनों को संबोधित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की क्षमता को सक्रिय करने का निर्णय लिया। कंपनी ने कुछ एआई समाधानों को तैनात किया है जैसे अक्षय संपत्तियों के लिए केंद्रीय नियंत्रण कक्ष (सीसीआरए), जो नुकसान के आकलन, पूर्वानुमान और अलर्ट/अधिसूचना के आधार पर मशीन लर्निंग का उपयोग करता है।

कोयला आपूर्ति और ऑर्डर इन्वेंट्री प्रबंधन को अनुकूलित करने के लिए, टाटा पावर की कोस्टल गुजरात पावर लिमिटेड (सीजीपीएल) और मैथन पावर प्लांट (एमपीएल) इकाइयां भी कोयला आपूर्ति प्रबंधन (कोयला एससीएम) और प्रबंधन रणनीतिक समीक्षा (एमएसआर) समाधान लगाने के लिए गठ्ठे का उपयोग करती हैं। इसके अलावा, कंपनी की मुंबई डिस्ट्रीब्यूशन टीम ने ईमेल वर्गीकरण और रूटिंग के लिए एक भावना विश्लेषण उपकरण लागू किया है जो उपभोक्ता की जरूरतों के सक्रिय मूल्यांकन में मदद करेगा।

उत्पादन सामग्री के बढ़ते दाम से उत्पादक परेशान

बैटरी व्यापार : बैटरी उत्पादकों को 2 साल से समस्याओं का समाधान नहीं मिल रहा। कोरोना के कारण पहला लॉकडाउन मार्च 2020 में लगा जिससे बैटरी व्यापारियों को बहुत ही नुकसान हुआ। क्योंकि मार्च से जून-जुलाई तक बैटरी उद्योग के लिए सीजन होता है। इन्वर्टर बैटरी गर्मी के समय में ज्यादा बिकती है। पर दो वर्ष से मार्च महीने में लॉक डाउन लगना बैटरी उद्योग के लिए दुःखदायी रहा।

अब लगातार महंगाई उत्पादकों को और परेशानी में डाला हुआ है। लेड के कीमतों में लगातार उछाल हो रहा है जिससे व्यापारी परेशान है। इतना ही नहीं पैकिंग उत्पाद भी लगातार महंगा होत रहा है। इसके महंगे होने का मुख्य कारण है पेपर के रेट का बढ़ना। व्यापारी ना तो अपने उत्पान की कीमत सेट कर पा रहे हैं ना ही एक स्थिर व्यापार की संभावना दिख रही है। डिजल पेट्रोल के कीमतों में हो रही लगातार बढ़ोत्तरी भी व्यापारियों को परेशान कर रहा है।

बैटरी उत्पादकों का कहना है कि हम बाजार में आज बैटरी का रेट देते हैं दूसरे दिन उत्पादन सामग्री इतना महंगा हो जाता है कि बैटरी उपलब्ध कराना घाटे का सौदा हो रहा है। अब यह पता नहीं चल रहा है कि बाजार में हम कैसे टिके रह पायेंगे। डिलर और डिस्ट्रीब्यूटर्स भी परेशान हैं क्योंकि ग्राहकों समझाने में दिक्कत हो रही है।

वैसे तो देखा जाये तो महंगाई बढ़ती जा रहा है, बाजार में स्थिरता नहीं दिख रहा। ऊपर से कोरोना की तीसरी लहर की खबर भी बीच-बीच में व्यापारियों को डरा देती है। ऐसे में हर एक ऐसी समस्याओं से ग्रसित है।

इसके अलावा वैश्विक स्तर पर सभी प्रमुख ऑटोमोटिव बाजारों में, हम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में परिवर्तनकारी बदलाव देख रहे हैं। कोरोना

महामारी के दौरान बाजारों में वाहनों की बिक्री में काफी गिरावट आई थी, जिस कारण ऑटोमोटिव बैटरी बिक्री पर भी असर पड़ा।

स्वच्छ ऊर्जा से संचालित हरित समाज की ओर बदलाव के केंद्र में, उन्नत बैटरी प्रौद्योगिकियां एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ईवीएस में, बैटरी न केवल ऊर्जा भंडारण माध्यम हैं, बल्कि प्रदर्शन को निर्धारित करने, विश्वसनीयता सुनिश्चित करने और लागत, वाहन रेंज और चार्जिंग गति सहित मीट्रिक में ग्राहक स्वीकृति प्राप्त करने के लिए भी महत्वपूर्ण

हैं। ई-मोबिलिटी से परे, वे ग्रिड बैलेंसिंग जैसे अनुप्रयोगों के लिए स्थिर भंडारण और पवन या सौर जैसे अक्षय स्रोतों से उत्पन्न बिजली के लिए ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण दल हैं। हालांकि, उनके महत्व के बावजूद, भारत अब तक सीमित स्थानीय मॉड्यूल और पैक असेंबली संचालन के साथ पूर्वी एशिया से बैटरी सेल आयात करने पर निर्भर रहा है। कुल मिलाकर यह निष्कर्ष है कि बैटरी व्यापारी महंगाई के समस्या से जुझ रहे हैं और इसका समाधान भी नहीं दिखाई दे रहा है।



- सोशल मीडिया अब संचार का सबसे बड़ा माध्यम ।
- एक बटन दबाने पर ही हमारे पास अत्यंत विस्तृत जानकारी सामने आ जाती है ।

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व

बैटरी व्यापार : सोशल मीडिया आज व्यावसायिक गतिविधियों में एक बड़ी भूमिका निभा रहा है । एक बटन दबाने पर ही हमारे पास अत्यंत विस्तृत संबंधित सकारात्मक और नकारात्मक किसी भी प्रकार की जानकारी पहुंच जा रही है । सोशल मीडिया एक बहुत ही सशक्त माध्यम है और इसका प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति पर पड़ता है । सोशल मीडिया के बिना हमारे जीवन की कल्पना करना अब मुश्किल है । हम देख रहे हैं फेसबुक, इन्स्टाग्राम पर कंपनियों के प्रचार - प्रसार जोर शोर से किये जा रहे हैं ।

सोशल मीडिया समाज के सामाजिक विकास में अपना योगदान देता है और कई व्यवसायों को बढ़ाने में भी मदद करता है । यह सोशल मीडिया, मार्केटिंग जैसे साधन प्रदान करता है जो लाखों सशक्त ग्राहकों तक पहुंचता है । हम आसानी से सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी और समाचार प्राप्त कर सकते हैं । किसी भी सामाजिक कारण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए

सोशल मीडिया का उपयोग एक अच्छा साधन है । इच्छुक नौकरी तलाशने वालों को भी इससे सहायता मिलती है । यह व्यक्तियों को बिना किसी हिचकिचाहट के दुनिया के साथ सामाजिक विकास और बातचीत करने में मदद कर सकता है । बहुत से लोग उच्च अधिकारियों के प्रोत्साहित भाषण को सुनने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं । यह आपको लोगों से मेल-जोल बढ़ाने में भी मदद कर सकता है ।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपने उपयोगकर्ताओं तथा लाखों अन्य लोगों को जानकारी साझा करने में मदद करता है । सोशल मीडिया के महत्व को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि यह आज हमारे जीवन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है ।

ब्रांड बनाना: गुणवत्ता सामग्री, उत्पाद और सेवाएं आज ऑनलाइन आसानी से पहुंचने में सक्षम हैं । आप अपने उत्पाद को ऑनलाइन बाजार में बेच सकते हैं और एक ब्रांड बना सकते हैं ।

ग्राहक के लिए सहायक: खरीद और उत्पाद या सेवा से पहले ग्राहक समीक्षा और प्रतिक्रिया पढ़ सकते हैं और स्मार्ट विकल्प बना सकते हैं ।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से हम अपने उत्पाद के उपभोक्ताओं से जुड़ सकते हैं । उत्पाद गुणवत्ता की जानकारी लोगों तक पहुंचने का यह एक शानदार तरीका है ।

बैटरी उत्पाद से जुड़े कारोबारियों के लिए फेसबुक पर एक ग्रुप और एक पेज बैटरी बिजनेस के नाम से उपलब्ध है । आप अपने प्रोडक्ट की जानकारी वहां पर साझा कर सकते हैं वहां से आप अपने प्रोडक्ट के लिए डिस्ट्रीब्यूटर भी देख सकते हैं । आप अपना प्रचार-प्रसार कर सकते हैं ।

https://www.facebook.com/groups/1062074167510425/?multi_permaLinks=1445548659162972

<https://www.facebook.com/बैटरी-व्यापार-batterybusinessin-106775661458866/>

प्रदूषण को रोकने में बैटरी उद्योग की मुख्य भूमिका

बैटरी व्यापार: पर्यावरण-प्रदूषण के गहराते संकट को देखते हुए स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस दिशा में काम करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली के शोधकर्ताओं ने स्वच्छ ऊर्जा का एक नया विकल्प पेश किया था। शोधकर्ताओं ने स्वदेशी वनेडिअम रिडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB) का प्रोटोटाइप पेश किया है, जो कुशलतापूर्वक अक्षय ऊर्जा का भंडारण और उपयोग कर सकती है।

इस समय बैटरी का उपयोग ग्रामीण विद्युतीकरण से लेकर ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन, घरेलू एवं व्यावसायिक पावर बैक-अप जैसे अनुप्रयोगों में हो रहा है। यही नहीं, इसके उपयोग से कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने में भी मदद मिल रही है।

इस प्रकार से बैटरी रिकक्षा, इलेक्ट्रिक स्कूटर,

बाइक, इलेक्ट्रिक कार को उपयोग में लाने से बढ़ते प्रदूषण को कम करने में सहायता मिल सकती है। इसी प्रकार आने वाले दिनों में कार्जों जहाजों को भी बैटरी से चलाने पर कार्य चल रहा है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि बैटरी उद्योग भी प्रदूषण को कम करने में मदद कर रहा है।

सीएनबीसी के वेबसाइट पर प्रकाशित एक आलेख के कहा गया है कि कैलिफ़ोर्निया में लॉस एंजिल्स और लॉन्ग बीच के तटों पर तैरने वाले दर्जनों डीजल से चलने वाले मालवाहक जहाज केवल आपूर्ति श्रृंखला के प्रतीक नहीं हैं। वे समुद्री शिपिंग से हर साल 1 अरब मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन में योगदान दे रहे हैं। स्टार्ट-अप फ्लीटजेरो का लक्ष्य इन दोनों समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराना है। सह-संस्थापक स्टीवन हेंडरसन और माइकल कार्टर – यूनाइटेड स्टेट्स मर्चेन्ट मरीन

अकादमी के स्रातक – बैटरी-इलेक्ट्रिक कारों जहाजों का निर्माण कर रहे हैं जो न केवल उद्योग को डीकार्बोनाइज करने में मदद करेंगे बल्कि दुनिया भर में उपलब्ध बंदरगाहों का अधिक उपयोग करके आपूर्ति श्रृंखला बाधाओं को भी कम कर सकते हैं। पर यह आसन नहीं लगता। विचार करें कि एलोन मस्क ने 2017 में कहा था कि सब कुछ पूरी तरह से इलेक्ट्रिक हो जाएगा। कारों के बाद जहाजों को हल करना सबसे आसान है। 2018 में, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन, संयुक्त राष्ट्र की एक नियामक शाखा, ने 2008 की तुलना में 2050 तक अंतरराष्ट्रीय शिपिंग से कार्बन उत्सर्जन को कम से कम 50% तक कम करने का प्रारंभिक लक्ष्य निर्धारित किया। स्वच्छ वायु कार्य बल के अनुसार, उस लक्ष्य तक पहुंचने में समस्या अनुसंधान, यह है कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग बेड़े को शुद्ध-शून्य कार्बन ईंधन में संक्रमण की आवश्यकता होगी।



अनुभव से उत्पादित नया रंकेर्स पावर

RANQERS पावर इंडस्ट्रीज इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में भारत में लीड-एसिड बैटरी और सोलर पीवी मॉड्यूल के साथ बिजली समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से उभरी है। इसकी स्थापना 2020 में लखनऊ यूपी में हुई है। हमारी मूल कंपनी की स्थापना 2008 में लखनऊ, यूपी में हुई थी। प्रमुख व्यक्तियों से जिन्हें फोटोवोल्टिक (पीवी) उद्योग में लंबे समय का अनुभव है। विशेषज्ञों की हमारी उत्साही टीम द्वारा डिजाइन और निर्मित सबसे बेहतर गुणवत्ता वाली सोलर और बैटरी की हमारे

ग्राहकों द्वारा अत्यधिक सराहना की जाती है। इस प्रकार, अब हम भारत में विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए उच्च गुणवत्ता और उच्च प्रदर्शन वाली बैटरी और सौर मॉड्यूल प्रदान करने वाले ब्रांड के रूप में पहचाने जाते हैं। तकनीशियनों और गुणवत्ता नियंत्रकों की हमारी उत्साही टीम सभी अनुप्रयोगों और उनकी विभिन्न पावर रेंज आवश्यकताओं पर विचार करती है।

इस प्रकार, हम विभिन्न अनुप्रयोग आवश्यकताओं के लिए अनुकूलित बैटरी का

उत्पादन करते हैं। इसके अलावा, RANQERS POWER बैटरियों का निर्माण ISO-प्रमाणित स्वचालित संयंत्रों के तहत किया जाता है और इस प्रकार, उच्च गुणवत्ता वाले घटकों के साथ बेहतर बैटरी प्रदान करते हैं। इसके अलावा, बैटरी की हमारी विस्तृत श्रृंखला में ट्यूबलर बैटरी, ऑटोमोटिव बैटरी, सौर बैटरी, मोटरसाइकिल बैटरी, वीआरएलए और एसएमएफ बैटरी, ई-रिक्शा बैटरी, विभिन्न विशिष्टताओं के ई-वाहन बैटरी शामिल हैं।

Toll free-18003099596



RANQERS

POWER YOU RELY ON..

INVERTER, AUTOMOTIVE,
SOLAR & BIKE BATTERIES





संक्षिप्त जानकारी

भारत के परमाणु बिजली संयंत्र सुरक्षित हैं : दिलीप भाटिया

भारत में 22 परमाणु रिएक्टर 6780 मेगावाट बिजली उत्पादन करने की क्षमता रखते हैं। गुजरात काकरापार की तीसरी इकाई शीघ्र ही प्रचालन परिवार में सम्मिलित होकर 700 मेगावाट क्षमता के साथ देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता को 7480 मेगावाट तक पहुंचा देगी। निकट भविष्य में इस प्रचालन परिवार में निर्माणाधीन रावतभाटा काकरापार कुडनकुलम संयंत्र भी सम्मिलित होंगे। पर्यावरण हितैषी परमाणु बिजली घर में सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है। पर्यावरण संरक्षण के लिए परमाणु बिजली घर सर्वश्रेष्ठ विकल्प हैं। भारत

सरकार ने कई नए रिएक्टर लगाने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। योजना चरण प्रारंभ हो गया है। निर्माण कार्य भी जल्दी ही प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। प्रत्येक परमाणु बिजली घर स्थल पर पर्यावरण सर्वेक्षण प्रयोगशाला पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित कर जनता एवम कर्मचारियों की सेहत का पूरा ध्यान रखती है। परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद की नियमावली एवम तकनीकी मापदंडों का सतर्कता से पालन करना प्रत्येक परमाणु बिजली घर के लिए आवश्यक है। भारत के परमाणु बिजली संयंत्र सुरक्षित हैं।



दिलीप भाटिया, सेवानिवृत्त परमाणु वैज्ञानिक
राजस्थान परमाणु बिजली घर रावतभाटा
राजस्थान 323307, मोबाइल 9461591498

बेरोजगारी और रोजगार

बैटरी व्यापार पर अपनी बात में गौरव कर्ण, गुरुग्राम, हरियाणा से लिखते हैं बेरोजगारी और रोजगार। आप सब जरूर पढ़ें।



भारत में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है, मगर देखा जाये तो यह समस्या अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति होती तो बहुत पहले ही हल की जा सकती थी। हम जनसंख्या के दृष्टि से अपने पड़ोसी देश से तुलना कर सकते हैं जैसे चाइना। लेकिन हम वैसे न करके यूएस, ब्रिटेन और यूई जैसे देशों के साथ अपनी तुलना करते हैं, जोकि नहीं होना चाहिये। खैर! बेरोजगारी की समस्या को देखें तो ये किसी एक सरकार की देन नहीं है अपितु आजादी के बाद जितनी भी सरकारें आयीं सब ने इस समस्या को बढ़ाया ही है, चाहे जो भी मज़बूरी रही हो, किसी ने भी इसको खत्म करने के लिये इच्छा शक्ति नहीं दिखाई, जिसका नतीजा ये हुआ कि आज हर नागरिक सरकारी नौकरी चाहता है, कोई आपना रोजगार नहीं करना चाहता, जनता आलसी हो गई है। हर कोई चाहता है एक सरकारी नौकरी मिल जाये, फिर शादी में अच्छे दहेज भी मिल जायेगा, सरकारी नौकरी होगी तो काम भी ज्यादा नहीं करना पड़ेगा और अवकाश भी खूब सारा मिलेगा तथा सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन भी मिलेगी। ये सब ऐसी धारणा है जो जनता के दिमाग से जल्दी नहीं जायेगा, दूसरा अच्छे शिक्षा की कमी, नेताजी लोग अपने बच्चों को तो अच्छी शिक्षा के लिये देश से बाहर भेज देते हैं लेकिन यहाँ के लोगों को वही थकी-हारी शिक्षा मिलती है, जहाँ पढ़ाने वाला भी सिफारिश पर नौकरी पाया होता है और पढ़ने वाला भी चोरी कर के पास होता है तथा फिर उसी सरकार को गाली देता है कि सरकारें हमें नौकरी नहीं देती।

समस्या है वो

पहला तो ये कि भारत और चाइना की जनसंख्या तकररीबन एक जैसी है और समस्या भी एक जैसा है। दूसरा भारत और चाइना तकररीबन एक साथ आजाद हुए लेकिन चाइना कितना आगे पहुँच गया और हम बहुत पीछे रह गये। इसके बहुत से कारण हैं: पहला तो हम राजनीति के शिकार हुए।

दूसरा जाति और धर्म में बँटे रहे, जिस कारण एक-दूसरे की टांग खींचने की प्रवृत्ति बनी।

तीसरा समस्या को पाल के रखा कभी हल करने



हम बीए, एमए कर के घर बैठे हैं जबकि उसको भी पता है कि उसको डिग्री कैसे मिली है और उसको कितना नॉलेज है। इस सब का जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ सरकारें हैं। ये हमारे समाज में जो होता आ रहा है उसकी देन भी है। जैसे कुछ बातों पर ध्यान दिलाना चाहूँगा। पहला तो जनसंख्या है ही, दूसरा ये कि अगर आपके परिवार में पाँच या छह सदस्य हैं उसमें से कोई एक ही कमाने वाला होता है बाकी जो भी हो बेटे या बेटी, तब तक नहीं कमाना चाहेंगे जब तक उनकी जरूरतें पूरी होती रहेंगी या घर के एकलौते कमाने वाले पे बोझ बने रहते हैं और वो कमाने वाला बेचारा उस बोझ के तले दबा रहता है।

अब मैं आपको बताता हूँ कि क्यों मैं आपको भारत का चाइना के साथ तुलना करने के लिए बोल रहा हूँ, क्योंकि आजादी के समय दोनों की एक जैसी स्थिति थी सिर्फ फर्क था लोकतंत्र और राजतंत्र का। अब जो

की कोशिश नहीं की।

चौथा प्रतिज्ञा और परीक्षा की हमेशा कमी रही।

पांचवाँ स्वरोजगार की मानसिकता ना होना।

छठा हुनरमंद को प्रोत्साहन नहीं मिलना।

सातवाँ अच्छे लोगों का कदर नहीं होना जिसके कारण डॉक्टर, इंजीनियर, साइंटिस्ट्स, बिजनेसमैन सब देश छोड़कर जिस देश में उनका कदर होता है वहाँ चले जाते हैं। जिनके यहाँ रहने से रोजगार विकसित हो सकती थीं जो नहीं हो पाया। जबकि दूसरी तरफ चाइना का जो सबसे बड़ा समस्या था वो था बाढ़ आना जिसे वहाँ कि सरकार ने बड़े ही ताकत से खत्म किया, दूसरा उन्होंने अपने देशवासियों को काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज उसका परिणाम ये है कि हमारे

भगवान कि मूर्ति, खाने का कप प्लेट, दिवाली की लाइट भी वही से बनकर आती है और हम खरीदते हैं। इसकी वजह से वहा कि एकोनोमी बढ़ती चली गई। कोई सरकारी नौकरी नहीं सब अपना कुछ न कुछ बना रहे होते हैं और दुनिया को बेचते हैं। वहाँ दूसरी ओर हमारे यहाँ सरकारों ने क्या किया अपने देशवासियों को पन्नू बना दिया, मुफ्त का सबकूछ! पानी मुफ्त, बिजली मुफ्त, गैस मुफ्त, ट्रान्सपोर्टेशन मुफ्त, जब सबको सब कुछ मुफ्त मिलेगा तो वह काम क्यों करेगा? ऐसे बेरोजगारों को सरकारें अपने फायदे के लिए अपनी पार्टियों कि तरफ से धरना प्रदर्शन में यूज करते हैं लेकिन कोई अपना काम नहीं करना चाहता जिससे वह रोजगार देने वाला बन सके। सभी चाहते हैं सरकारी नौकरी मिले, जबकि देखा जाये तो सरकारी नौकरी में काम करने वाले लोगों को बहुत दिक्कत होती है क्योंकि काम करने वाला चाहे जितना भी अच्छा काम कर ले तनख्वाह उतनी ही मिलेगी जो पे स्केल है, और जो कुछ नहीं करता उसको भी वही तनख्वा मिलती है, जबकि अगर स्वरोजगार करते हैं तो जीतना मेहनत करेंगे उतना रुपया मिलेगा।

हमारे यहा सर्विस सेक्टर बहुत सारे हैं मगर मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर बहुत कम है। अब अगर कोई सीए, सीएस, एडवोकेट, आईटी इंजिनियर, ट्रेवल एजेन्ट बगैरह को देखें तो वो कितने लोगों को नौकरी दे देंगे, लेकिन वहाँ अगर कोई खिलौना बनाने की फैक्ट्री लगा ले या किसी भी प्रोडक्ट की फैक्ट्री लगा ले तो हज़ारों लोगों को उनसे सीधे तौर से या वैसे रोजगार मिलेगा। हमारे यहाँ के लोग बाहर जा के सब कुछ करते हैं लेकिन यहाँ नहीं करते या नहीं करना चाहते। यही समस्या की जड़ है और इसका समाधान भी हमें ही करना होगा। हम जितने ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्ट मैन्यूफैक्चरिंग पर ध्यान देंगे, जितना ज्यादा स्वरोजगार पर ध्यान देंगे, जितना ज्यादा अच्छी शिक्षा पर ध्यान देंगे, जितना ज्यादा शिक्षक पर ध्यान देंगे, जितना ज्यादा जनसंख्या को ना बढ़ने देने पर ध्यान देंगे बिना धर्म को बीच में लाये, हमारे बेरोजगारी की समस्या उतना जल्दी ठीक हो जाएगी हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार देने वाले में होंगे।

गौरव कर्ण (गुरुग्राम, हरियाणा)

ओरिन बाज़ार में बढ़ता हुआ बैटरी ब्रांड

ओरिन मेसर्स ओरिन पावर का एक उत्पाद है जो अग्रणी और व्यावसायिक ऊर्जा उत्पाद निर्माता/निर्यातक में से एक है। ओरिन पावर कुछ अन्य उन्नत इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के साथ औद्योगिक, सौर और स्टैंडबाय पावर समाधान, सौर हाइब्रिड और शुद्ध साइन वेव इनवर्टर, उन्नत हाई-लाइफ ऑन-ग्रिड और ऑफ-ग्रिड सौर पैनलों के लिए लीड एसिड बैटरी में माहिर हैं। ओरिन उत्पाद पूरी तरह से उन्नत अमेरिकी प्रौद्योगिकी हैं जो हरक्षेत्र में ग्राहकों को संतुष्ट कर रहा है। ओरिन उत्पाद सबसे

अच्छी गुणवत्ता, लंबे समय तक चलने वाले, सबसे भरोसेमंद ऊर्जा प्रणाली हैं। यह ISO: 9001:2008, ISO: 14001: 2004 और OHSAS 18001: 2007 प्रमाणित संगठन है।

ओरिन पावर अपनी आर एंड डी टेक्नोलॉजी में महत्वपूर्ण पूंजी निवेश के माध्यम से अपनी उत्पाद-लाइन और गुणवत्ता जांच को लगातार बढ़ाने के साथ व्यापार दर्शन "अग्रणी प्रौद्योगिकी और सर्वोच्च गुणवत्ता" का पालन करता है।

ओरिन के वर्तमान पोर्टफोलियो में ऑटोमोटिव बैटरी, इन्वर्टर ट्यूबलर बैटरी, सोलर बैटरी, हाइब्रिड इनवर्टर, ऑन-ग्रिड, ऑफ-ग्रिड पीवी मॉड्यूल शामिल हैं। ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार ओरिन उत्पादों को अनुकूलित किया जाता है। सबसे उन्नत तकनीक के साथ, अब ओरिन ने भारतीय मौसम के अनुरूप अपने नए उत्पाद को डिज़ाइन किया है जो इसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए किफायती और आसानी से उपलब्ध कराता है।



ZUNVOLT BATTERY को चाहिए डिलर और डिस्ट्रीब्यूटर

ZUNVOLT BATTERY ZUNPULSE का ब्रांड है, जिसकी स्थापना लोगों के लिए व्यक्तिगत ऊर्जा खपत को बेहतर, स्वच्छ और अधिक किफायती बनाने के लिए की गई है।

ZUNVOLT BATTERY को पूरे भारत में डिलर और डिस्ट्रीब्यूटर चाहिए। यह बैटरी उत्तम क्वालिटी की है। ट्यूबलर और टॉल ट्यूबलर (ZUNVOLT TUBULAR & TALL TUBULAR BATTERY) बैटरी निर्माता कंपनी ZUNPULSE लोगों को अच्छी क्वालिटी की बैटरी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। आप अगर डिस्ट्रीब्यूटर बनना चाहते हैं तो मोबाइल नंबर 9311655028 पर संपर्क कर सकते हैं।

ZUNPULSE की स्थापना सभी के लिए व्यक्तिगत ऊर्जा खपत को बेहतर, स्वच्छ और अधिक किफायती बनाने के लिए की गई है। उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, कंपनी की टीम ने प्रत्येक भारतीय उपभोक्ता की दैनिक ऊर्जा आवश्यकताओं में मददगार साबित हो रहा है। अगली पीढ़ी की ऊर्जा प्रौद्योगिकी बनाने के लिए ZUNPULSE सौर ऊर्जा और आईओटी स्मार्ट ऊर्जा समाधान प्रदान करता है। कंपनी ऊर्जा के दोहन, भंडारण, रखरखाव और बिजली की खपत को संभालने के लिए दृढ़ संकल्प है। कंपनी तकनीक का उपयोग करके घर के हर हिस्से को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सौर को सभी के लिए घरेलू उपयोगिता बनाने के लिए पूरे देश में आवासीय सौर की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए टीम हर दिन काम कर रही है। इसके साथ ही उत्तम क्वालिटी की बैटरी लोगों तक पहुंचे इसके लिए पूरे भारत में वितरकों की तलाश में है।

अधिक जानकारी के लिए मोबाइल 9311655028 पर संपर्क कर सकते हैं या हमारे वेबसाइट <https://www.zunroof.com> पर पधार सकते हैं।



Amttek

BATTERY CONTAINERS

**AUTOMOTIVE, SOLAR &
INVERTER BATTERY
CONTAINERS**



Contact : amtekbatteries@gmail.com

We have lots of Stock

**FBTECH32700, HLY26650
BAK18650 AND LFP BATTERY PACK.**

**If interested in our batteries,
we can communicate further
on whatsapp. We are always
at your service.**



**MOB:86-17607278306(Wechat/Whatsapp)
E-mail:fiona@joykook.com**

भविष्य में बैटरी की नई तकनीक

बैटरी व्यापार: हम कार लिथियम-आयन बैटरी की सीमाओं से भी अवगत हैं। जबकि चिप्स और ऑपरेटिंग सिस्टम बिजली बचाने के लिए अधिक कुशल होते जा रहे हैं, हम अभी भी रिचार्ज करने से पहले स्मार्टफोन पर केवल एक या दो दिन के उपयोग को देख रहे हैं।

हमें पता है तकनीकी का विकास अच्छी तरह से प्रगति कर रहा है। **पाकेट-लिंट के संपादक क्रिस हॉल** लिखते हैं कि हमने ओवर द एयर चार्जिंग से लेकर सुपर-फास्ट 30-सेकंड री-चार्जिंग तक, जल्द ही हमारे पास होने वाली सभी बेहतरीन बैटरी खोजों को एकत्र किया है। उम्मीद है, आप इस तकनीक को जल्द ही अपने गैजेट्स में देख पाएंगे।

स्ट्रक्चरल बैटरी से सुपरलाइट इलेक्ट्रिक वाहन बन सकते हैं:

चल्मर्स यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में अनुसंधान कई वर्षों से न केवल बिजली के लिए, बल्कि एक संरचनात्मक घटक के रूप में बैटरी का उपयोग कर रहा है। इसका लाभ यह है कि एक उत्पाद संरचनात्मक घटकों को कम कर सकता है क्योंकि बैटरी में उन कार्यों को करने की ताकत होती है। कार्बन फाइबर को नकारात्मक इलेक्ट्रोड के रूप में उपयोग करते हुए सकारात्मक लिथियम आयनरन फॉस्फेट है, नवीनतम बैटरी में 25GPa की कठोरता है, हालांकि ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के लिए अभी भी कुछ रास्ता है।

लंबवत रूप से संरेखित कार्बन नैनोट्यूब इलेक्ट्रोड:

NAWA टेक्सास में अल्ट्रा फास्ट कार्बन इलेक्ट्रोड का डिजाइन और पेटेंट कराया है, जो कहता है कि यह बैटरी बाजार में गेम-चेंजर है। यह लंबवत रूप से संरेखित कार्बन नैनोट्यूब (VACNT) डिजाइन का उपयोग करता है और NAWA का कहना है कि यह बैटरी की शक्ति को दस गुना बढ़ा सकता है, ऊर्जा भंडारण को तीन गुना बढ़ा सकता है और बैटरी के जीवनचक्र को पांच गुना बढ़ा सकता है। कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिक लाभार्थी के रूप में देखती है, प्रदर्शन को बढ़ावा देते हुए कार्बन पदचिह्न और बैटरी उत्पादन की लागत को कम करती है। एनएडब्ल्यूए का कहना है कि 1000 किमी की सीमा मानक बन सकती है, चार्जिंग समय को 5 मिनट तक घटाकर

80 प्रतिशत कर दिया जाएगा। प्रौद्योगिकी 2023 तक उत्पादन में हो सकती है।

एक कोबाल्ट मुक्त लिथियम-आयन बैटरी:

टेक्सास विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने लिथियम-आयन बैटरी विकसित की है जो अपने कैथोड के लिए कोबाल्ट का उपयोग नहीं करती है। इसके बजाय यह अन्य अवयवों के लिए मैंगनीज और एल्यूमीनियम का उपयोग करके निकल (89 प्रतिशत) के उच्च प्रतिशत में बदल गया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के वॉकर विभाग और टेक्सास मैटेरियल्स इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर अरुमुगम मंथिराम ने कहा, "कोबाल्ट बैटरी कैथोड में सबसे कम प्रचुर मात्रा में और सबसे महंगा घटक है।" "और हम इसे पूरी तरह से खत्म कर रहे हैं।" टीम का कहना है कि उन्होंने इस समाधान के साथ आम समस्याओं को दूर किया है, जिससे अच्छी बैटरी लाइफ और आयनों का समान वितरण सुनिश्चित होता है।

सिलिकॉन एनोड लिथियम-आयन बैटरी के करीब एक कदम:

लिथियम-आयन बैटरी में अस्थिर सिलिकॉन की समस्या को दूर करने के लिए, पूर्वी फिनलैंड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने मेसोपोरस सिलिकॉन माइक्रोपार्टिकल्स और कार्बन नैनोट्यूब का उपयोग करके एक हाइब्रिड एनोड बनाने की एक विधि विकसित की है। अंततः इसका उद्देश्य बैटरियों में ग्रेफाइट को एनोड के रूप में बदलना और सिलिकॉन का उपयोग करना है, जिसकी क्षमता दस गुना है। इस हाइब्रिड सामग्री का उपयोग करने से बैटरी के प्रदर्शन में सुधार होता है, जबकि जौ की भूखी की राख से सिलिकॉन सामग्री का निरंतर उत्पादन होता है।

लिथियम-सल्फर बैटरी ली-आयन से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है, कम पर्यावरणीय प्रभाव पड़ता है:

मोनाश यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने लिथियम-सल्फर बैटरी विकसित की है जो लिथियम-आयन से बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्मार्टफोन को 5 दिनों तक पावर दे सकती है। शोधकर्ताओं ने इस बैटरी को गढ़ा है, पेटेंट और निर्माताओं की रुचि है। समूह के पास 2020 में आगे के शोध के लिए धन है, यह कहते हुए कि कारों

और ग्रिड के उपयोग में निरंतर शोध जारी रहेगा।

कहा जाता है कि नई बैटरी तकनीक का पर्यावरणीय प्रभाव लिथियम-आयन की तुलना में कम है और विनिर्माण लागत कम है, जबकि वाहन को 1000 किमी (620 मील), या 5 दिनों के लिए स्मार्टफोन को बिजली देने की क्षमता प्रदान करता है।

सैंड बैटरी तीन गुना अधिक बैटरी लाइफ देती है:

यह वैकल्पिक प्रकार की लिथियम-आयन बैटरी वर्तमान ग्रेफाइट ली-आयन बैटरी की तुलना में तीन गुना बेहतर प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए सिलिकॉन का उपयोग करती है। बैटरी अभी भी लिथियम-आयन की तरह है जो आपके स्मार्टफोन में पाई जाती है, लेकिन यह एनोड्स में ग्रेफाइट के बजाय सिलिकॉन का उपयोग करती है।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया रिवरसाइड के वैज्ञानिकों ने कुछ समय के लिए नैनो सिलिकॉन पर ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन यह बहुत जल्दी खराब हो रहा है और बड़ी मात्रा में उत्पादन करना कठिन है। रेत का उपयोग करके इसे शुद्ध किया जा सकता है, पाउडर किया जा सकता है, फिर नमक और मैग्नीशियम के साथ गर्म होने से पहले ऑक्सीजन को निकालने के लिए शुद्ध सिलिकॉन होता है। यह झरझरा और त्रि-आयामी है जो बैटरी के प्रदर्शन और संभावित रूप से जीवन काल में मदद करता है। हमने मूल रूप से 2014 में इस शोध को उठाया था और अब यह फलित हो रहा है।

सिलानानो एक बैटरी टेक स्टार्टअप है जो इस तकनीक को बाजार में ला रहा है और इसने डेमलर और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियों से बड़ा निवेश देखा है। कंपनी का कहना है कि इसका समाधान मौजूदा लिथियम-आयन बैटरी निर्माण में छोड़ा जा सकता है, इसलिए यह स्केलेबल परिनियोजन के लिए तैयार है, जो अब बैटरी प्रदर्शन को 20 प्रतिशत या निकट भविष्य में 40 प्रतिशत बढ़ाने का वादा करता है।

(यह जानकारी इंटरनेट से ली गयी है तथा बैटरी व्यापार पर सम्पादित की गयी है। तकनीकी जानकारी को लोगों तक पहुँचाने के लिए हम माध्यम बनकर रहना पसंद करते हैं।)

SuperStik

.... चिपका रहे !



KABHI SATH NA CHHODE

STRONG ADHESIVE

Any Query : +91-9582593779
9910183526
9971293665

कुछ अलग सा....

हाँ अब लिखना चाहती हूँ कुछ अलग सा...
ऐसा जिसे पढ़कर पढ़ने वाले का मन तृप्त हो जाये।
कोई खो जाये एक एक शब्द में,
जैसे चांद खो जाता है कुछ पलों के लिये बादलों में।
हर पंक्ति में ठहराव एक खामोशी सिमटी हो।
जो आँखों के रस्ते से सीधे हृदय में उतर जाये।
किसी के आँसू, किसी का प्रेम,
किसी की विरह, किसी का दर्द,
सब समाहित हो थोड़ा थोड़ा सा...
कविता मुस्कुराये तो पढ़ने वाले के लबों पर,
भी वही मुस्कान वही कशिश हो।
दर्द आये तो उस दर्द को दिल भीतर तक
महसूस कर सकें।
देख सकें यह आँखे ख्वाबों के उस बिखरे हुये,
मंजर की अधूरी सी दास्तान को।
हथेलियां की उस छुअन को दिल सदियों तक

न भूल सकें।
यह पलकें भी वैसे ही भीग जाये,
जैसे बरसात के बाद घास पर रह जाती है।
बारिश की वो अनछुई सी बूंदें।
एक मासूमियत जो एक उम्र के बाद भी,
खत्म नहीं होती है।
कभी कभी मन का दरवाजा खोल,
निकल पड़ती है अपनी ही धुन में।
एक उत्सुकता उसके अंत तक पहुँचने की।
जानने की क्या सच में प्रेम रूह तक को,
स्पर्श कर जाता है....
हाँ लिखना चाहती हूँ अपने अंदर छिपी
उस स्त्री के लिए,
उसके अस्तित्व से उसकी पहचान कराने के लिये,
जिसे रूबरू होना मेरा अभी बाकी है.....



पायल राधा जैन
इटावा उत्तर प्रदेश

लघु कथा

गंगू अपनी पत्नी जमुना देवी के साथ बिहार के एक गांव में खपरैल के घर में रहते हैं। वही उनकी थोड़ी बहुत खेती बाड़ी है। शादी के कई सालों तक उनके कोई सन्तान नहीं हुई। जमुना देवी बहुत दुखी रहने लगी। गंगू से अपनी पत्नी का दर्द देखा नहीं जाता था। वह गांव के आस-पास जितने मन्दिर थे वहाँ जाता माथा टेकता और भगवान से सन्तान प्राप्ति की गुहार लगाता।

आखिरकार ईश्वर ने उनकी प्रार्थना सुन ली और उनके घर एक पुत्र पैदा हुआ। गंगू और जमुना देवी के खुशी का ठिकाना नहीं था उन्होंने प्रण किया कि वह अपने बच्चे को कोई कष्ट नहीं होने देंगे। उसे अच्छी तालीम देंगे और पढ़ा लिखा कर बड़ा आदमी बनायेंगे। खूब लगन से गंगू और जमुना देवी खेती करते ताकि अनाज बेचकर पैसा इकट्ठा कर सकें। उन्होंने अपने बेटे (वैभव) को पढ़ने के लिए शहर भेज दिया। वैभव की ऊंची शिक्षा के लिए गंगू को अपना कुछ खेत भी बेचना पड़ा। वैभव पढ़ लिख कर एक कार्यालय में उच्च अधिकारी के पद पर



कार्यरत हो गया। माता पिता की खुशी का ठिकाना नहीं था। गंगू ने शहर की ही एक लड़की (विनीता) के साथ वैभव का विवाह कर दिया, जो की वैभव की पसंद थी। कुछ समय तक वैभव का गांव में आना जाना होता रहा लेकिन धीरे-धीरे समय बीतता गया और दो चार साल बाद वैभव का गांव आना भी बंद हो गया। वैभव अपने माता-पिता के प्यार और त्याग को भूल गया और उन्हे गांव में ही छोड़ दिया और उनका हालचाल भी लेना छोड़ दिया। गंगू के नेत्र हर समय सजल रहते हैं। यह सोच कर कि जिस सन्तान के लिए इतनी मन्नत मांगी वही सन्तान उन्हे छोड़ कर आज खुद सुख का जीवन जी रही है। गंगू और जमुना देवी आज भी खपरैल के

मकान में रहते हैं और खेती कर जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

जीवन के इस पड़ाव में कोई किसी का नहीं होता, पति पत्नी का साथ ही उनका बहुत बड़ा संबल होता है। वे ही एक दूसरे के सुख और दुःख के साथी होते हैं। यही सोच कर गंगू और जमुना देवी ने सब्र कर लिया है। आज गंगू और जमुना देवी अपने बेटे के प्यार और अपनत्व के लिए तरसते हैं आँखों से आश्रु गिरते हैं लेकिन फिर भी वे उसकी सलामती और उन्नति की दुआ करते हैं। अगर वैभव ने अपने माता-पिता की कद्र की होती तो गंगू और जमुना देवी के आँखों से दर्द के आंसू के बजाय खुशी के आंसू निकलते। (माँ बाप से बढ़कर कोई सम्पत्ति नहीं है यह वह धरोवर है जो छूट जाये तो वापिस नहीं मिलती इस लघुकथा का यही उद्देश्य है कि माता-पिता का आदर और सम्मान करें बुढ़ापे में उनकी लाठी बने।)

लेखिका

अनिता श्रीवास्तव
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश



अधूरी बात



राखी अनामिका

तुलिका रात भर बेचैन हो करवट बदलती रही। सुबह के काम की चिन्ता और बिमारी का भय भी हो रहा था। बहुत कोशिश करती रही कि आँख लग जाये, पर जितना कोशिश करती उतनी ही बेचैनी बढ़ती जाती। कितनी ही बातें मन में उठती और उसका मन सबमें उलझकर खिन्न हो जाता।

पारिवारिक अशान्तियों के मध्य उसकी दोस्ती दिव्येश से हुई थी। हालांकि वह चाहती नहीं थी लेकिन सूखी धरती पर रिमझिम फुहार की तरह दिव्येश का आगमन उसे रोचक लगने लगा। दिव्येश यो तो धीर गंभीर व्यक्तित्व के थे और उम्र में भी काफी बड़े, लेकिन तुलिका कभी उम्र का अंतर नहीं कर पायी, हां उनके धीर-गंभीर व्यक्तित्व से प्रभावित रही और बहुत ही आदर का भाव उनके लिये तुलिका के मन में रहता। आज वह दिव्येश की बातों से घायल ही नहीं मृत्युतुल्य कष्ट पा रही थी, लेकिन कहती किससे? कह कर शायद कष्ट कम होता लेकिन अनकही अधूरी बातों का चुभन उसे दर्द और बेचैनी से भर गया था।

"आप आयेगी तुलिका?" दिव्येश ने पूछा।

"ये कैसा प्रश्न है! आप जानते हैं भारी अशान्तियों के मध्य आपकी बातें मेरे लिये कितना महत्व रखती हैं।" तुलिका ने उत्तर दिया।

"हां, जानता हूँ क्योंकि कमोवेश आपकी तरह स्थितियों से मैं भी गुजर रहा हूँ। लेकिन अपनी तबियत आप देखकर ही....", दिव्येश कहते-कहते रुक गये।

"ये बात भी सही है। चाहती कुछ हूँ होता कुछ और है। आप अपना काम देख लीजिये। पूरा प्रयास करूँगी आने का", कहते हुये तुलिका विदा लिया। तुलिका सब काम निपटाते हुये सोच रही थी कि दिव्येश कितने तुनक मिजाज हैं, बहुत जल्दी गुस्सा जाते हैं। लेकिन स्नेह लुटाते समय वो सीमारहित हो जाते हैं। बहुत उतावलापन देख तुलिका मन ही मन हँसा करती। उस समय दिव्येश एक बालक की भाँति प्रतित होते।

"आप आ गयीं? कब से प्रतीक्षा कर रहा था।" दिव्येश ने अधीरता से कहा।

"आपसे बोली थी आऊँगी, कैसे न आती? और नहीं

आती तो रह भी नहीं पाती।" हँसते हुये तुलिका ने कहा।

"और कुछ बोलिये।" दिव्येश ने कहा।

"आप नहीं बालेंगे कुछ? बात का भंडार समाप्त हो गया?" मुस्कराते हुये बोली।

"अरे नहीं। लेकिन आपसे सुनने का मन है।"

"आपका ऑफिस का काम कैसा रहा?"

"ठीक-ठाक।"

"अच्छा..... क्या करूं? कैसे बोलू समझ नहीं आता।"

"अक्सर मैं ही आग्रह करता हूँ। आज भी कर रहा हूँ। आपको नहीं लगता कि आपके लिये कितना सोचता हूँ? आपकी एक-एक बात पर मेरा सुख निर्भर होता है।" दिव्येश गंभीर हो उठे।

"नहीं, ऐसी बात नहीं। स्नेह मेरा कम नहीं परन्तु प्रस्तुत करना नहीं आता।" तुलिका इतना ही बोल पायी।

"ठीक है, रहने दीजिये। मैं कुछ ज्यादा अधीर हूँ और आप मौन रहना चाहती हैं। अकारण आपको बुलाकर अपमानित महसूस करता रहा हूँ। हमारे बीच अब बातें ही नहीं बची करने को। आपकी तबियत भी ठीक नहीं रहती और मैं जानते हुये भी आपको परेशान कर देता हूँ।"

"ओह! ऐसी कोई बात नहीं। मैं बहुत मन से ही आयी हूँ। सच तो यह है कि अगर खुशी और सुख न मिले मनुष्य को तो उस स्थान पर वो उत्साहित होकर जा ही नहीं सकता।"

"जी, लेकिन मैं पूजा का भाव रखकर ही आपसे मिलता हूँ। आपकी चुप्पी से कई बार अपमानित भी हुआ हूँ। पर आगे नहीं होना चाहता।"

"ये क्या कह रहे हैं आप? आप.....", तुलिका कुछ बोलती इससे पहले उसकी बातों को काटकर दिव्येश बोलने लगे "छोड़िये, इस समय बात बढ़ाने से लाभ नहीं। आपके ऊपर दवाब नहीं होगा अब मिलने का, न ही आग्रह करूँगा बातों के लिये। पुरुष की जाति ही ऐसी है। कुत्ते की तरह दुल्कारे जाने पर भी दुम हिलाता स्त्री के

आगे-पीछे घूमता रहता है। मैं अपने स्वभाव से लज्जित हूँ। जीवन में इतनी ओछी हरकत कभी नहीं किया था। एक ही बात बार बार हो तो उसे समाप्त कर देना ही बेहतर है।" ये कहते कहते दिव्येश चलने को उद्धृत हुये।

"कितना कुछ कह दिया आपने, इस एक बात पर। ये भी स्नेह होगा आपका।" संक्षिप्त बात थी तुलिका की लेकिन दिव्येश और अधिक उग्र हो उठे।

"हां, स्नेह ही है पर यह अनुभव नहीं था, और जो अनुभूत किया बोल दिया। आज के बाद मिलने बात करने या किसी भी चीज के लिये आपसे नहीं कहूँगा। भावहीन मनुष्य ही ठीक होता है। अब सारे दिन की परेशानी खत्म होगी। अब मैं अकेला होना चाहता हूँ।" कहते हुये दिव्येश चल दिये।

तुलिका देर तक भरी आँखों से अपराधी की तरह देखती रही। कैसा दण्ड मिला था! कितने ही ताने-बाने बुनती रही थी दिन भर मिलने की खुशी में। ताश के पत्तों की तरह सब ढह गये पल भर में। वो दिव्येश से रुकने का आग्रह भी नहीं कर सकी थी क्योंकि तो स्वयं अकेला होना चाहते थे। कहीं बोझ तो नहीं बन गयी है दिव्येश पर? इतनी छोटी सी बात पर यह प्रतिक्रिया? हैरत में हो गयी तुलिका फिर भी दिव्येश के तरफ से सोची, उनकी अपनी कई जिम्मेदारियों और परेशानियों हैं, वो कम नहीं कर सकेगी कभी। स्नेह का आलिंजन उनकी आशा थी तो उसकी भी यही अभिलाषा थी। मिलने की बातें हवामहल साबित हो गयी थी। दोष किसका था? ऐसा भी होता है कि बातें बहुत हों और कहने के लिए उचित शब्द एवं सही शुरुआत समझ में नहीं आ रहा हो। वो पूछना चाहती थी कि आखिर वर्षों के स्नेह और सुख-दुख को एक क्षण में कैसे खत्म किया जाता है? वो जानना चाहती थी जिस बंधन का आधार स्नेह हो वो दवाबयुक्त कैसे हो सकता है? यो असंख्य सुमधूर क्षणों को झुठलाये जाने की पीड़ा से ऊबर नहीं पा रही थी। कष्ट समय के अनुसार कम हो भी जाये तो अधूरी बातों का दर्द उसे जीवन भर चुभन देगा।

-राखी अनामिका, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

आखिरी वृक्ष

कौन धराधर शेष बचेगा
बाढ़ धरा पर लाने को ?
कौन सा होगा वृक्ष आखिरी
रश्मि रवि पी जाने को ?

पथ अकेला पथिक आखिरी
धैर्य धरा का देखेंगे
ना वसुधा विचलित ना होना
मानुष गजब अब देखेंगे
होगा नेत्र कौन आखिरी
करे प्रतीक्षा हरियाली को ?

कौन सा होगा वृक्ष आखिरी
रश्मि रवि पी जाने को !!
संकोच भी है और लज्जा भी
फिर भी कैसी लाचारी
निजधाम आलोकित करने को
वृक्ष जलाएं बारी-बारी
कुंज आखिरी कौन बचेगा
संग सुमन जल जाने को ?

सीख रही हूँ

दुनिया के इस रंगमंच पर,
मैं अदाकारी सीख रही हूँ ।
जीवन का तिलिस्म समझने को,
मैं जादूगरी सीख रही हूँ ॥

मुस्कान के खारे सागर में,
अशकों को छिपाना सीख रही हूँ ।
कदम-कदम पर ठोकर हैं पर,
गिरकर संभलना सीख रही हूँ ॥



संदीपिका दीक्षित
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश



रजनी उपाध्याय
अनुपपुर, मध्यप्रदेश
कौन सा होगा वृक्ष आखिरी
रश्मि रवि पी जाने को !!

होते अत्याचारों को
चुपचाप प्रकृति क्या सह पाएगी ?
या बेमौसम ओलावृष्टि कर
प्रकोप तू अपना दिखलाएगी ?
कौन सी कोयल होगी आखिरी
करुण क्रंदन गाने को
कौन धराधर शेष बचेगा
बाढ़ धरा पर लाने को!!

डर तो है इस ऊँचाई से,
इस डर को डराना सीख रही हूँ ।
उड़ना तो है मुझे आसमान तक,
बस पंख फैलाना सीख रही हूँ ॥

दुनियादारी की इस चौसर के,
सब दांव परखना सीख रही हूँ ।
रिश्तों की इस अंकगणित में,
जोड़ घटाना सीख रही हूँ ॥

गज़ब का कुछ लिखने के लिए,
लफ़्ज़ों को गढ़ना सीख रही हूँ ।
शब्दों के मायाजाल का अब,
हर अर्थ समझना सीख रही हूँ ॥

दुनिया के इस रंगमंच पर,
मैं अदाकारी सीख रही हूँ ॥

तुम तो तारणहारी हो

चाह है तुझको पाने की
'माया' मन पर भारी है
कब आओगे मिलने मुझको
अब तेरी आस की बारी है ।

जैसा हूँ तेरे दर पे हूँ
अधर्मी, कपटी, व्यभाचारी
हे दीनानाथ, हे दीनबंधु
पर तुम तो तारणहारी हो ।

जैसा हूँ तुझमे तुझसे ही हूँ
अनचाहा अज्ञानी, अभिमानी हूँ
हे कृपासिन्धु, हे दया सागर
पर तुम तो तारणहारी हो ।

दुखहारी हरि, दुखिया जन को यूँही छोड़ दोगे?
हे दयानिधि भटक गया हूँ तो यूँही मुँह मोड़ लोगे?

जो न आओगे मेरे मुरली मनोहर,
जग में तेरे किस्से होंगे,
पतितपावन, पतितो को तार न सके,
मोहन आरत के लिए हार न सके,

तेरे दर पे पड़ा हूँ
मुद्दतों से खड़ा हूँ
यूँ अगर माधव आप मुकर जाएंगे
हमसे अधम पापी फिर किधर जाएंगे ।

अपने मन को कैसे मनाऊ मैं?
तेरे चाह लिए अब किधर जाऊ मैं?



दिवाकर तिवारी
औरंगाबाद, बिहार

बहुत तुम्हारी कमी खली



राह तुम्हारी तकते तकते
सुबह बीत गई सांझ ढली
लेकर दीप चली है गोरी
बहुत तुम्हारी कमी खली ॥

बीत रहे हैं दिन और रैना
राह तुम्हारी देखें नैना
फीका पड़ा श्रंगार है मेरा
दर्पण देखू पड़े न चैना ॥

जतन किए बहु फिर भी देखो
समय चक्र है बहुत बली ।
लेकर दीप चली है गोरी
बहुत तुम्हारी कमी खली ॥

पल छिन तेरी याद सताए
हिय अब धीर नहीं रख पाए
रोक रही हूं इसको फिर भी
मन बरबस तेरे संग जाए ॥

बाट निहारूं आज भी तेरी
भूल गए पिया मेरी गली ।
लेकर दीप चली है गोरी
बहुत तुम्हारी कमी खली ॥

कैसा पड़ा समय का फेरा
विपदाओं ने ऐसा घेरा
मिल शलु का अंतर देखा
करते देखा तेरा मेरा ॥

खूब जतन और कोशिश कर ली
भाग्य के आगे न एक चली ।
लेकर दीप चली है गोरी
बहुत तुम्हारी कमी खली ॥

-विनीता सिंह परिहार
सतना (मध्य प्रदेश)

इक सफर हो आखिरी

मेरी चाह तुझ पे करे असर इक असर हो आखिरी
तेरी रुह से मेरी रुह तक इक सफर हो आखिरी
मेरी जुस्तजू, मेरे रास्तें तुम तलक बढ़ते रहे
पयाम पहुँचे तेरे लब तले इक नज़र हो आखिरी ।

यूँ ही दौड़ती रही जिंदगी, दौड़ने उसे दीजिए
लम्हा जो तिर करम का हो, वही कदर हो आखिरी
दौर ऐसा न हो जो रुकावटें तिर कूचे की हो
मिरी साँस जहाँ थमने लगे, तेरा दर हो आखिरी ।

निगाहें बिछाये रहे हम तेरी कोरी उम्मीद में
मेरे अशकों ने सींचा जिसे वो शज़र हो आखिरी
इम्तिहानों से गुजरी हुई बैचेनियाँ हो मुकम्मल
कान जिसे सुनने को तरसे वो खबर हो आखिरी ।

उल्फत के साये में यूँ धीरे कदम बढ़ाते रहे
तुम्हें साथ लेकर जो लड़े, वो गदर हो आखिरी ।



- अन्जना अग्रवाल, झाँसी

कविता, लघुकथा, कहानी,
लेख आप भी भेज सकते हैं ।
संपादक मंडल अगर चयनित
करते हैं तो बैटरी व्यापार में
प्रकाशित होंगे । नीचे दिए
गए ई-मेल आईडी पर मेल
करें :

info@batterybusiness.in

अच्छा लगता है कभी-कभी

अच्छा लगता है, कभी-कभी
वर्षा की हल्की फुहारों का
यों ही रिम-झिम कर बरसना
बिजली बादल कि लुका छिपी मे
कभी सहम जाना, कभी मुस्कुरा देना ।

अच्छा लगता है, कभी-कभी
एक ऊंचाई से जल प्रपात का
झर-झर कर गिरते जाना
पानी के बूंदों का मोती बन
गालों को छू कर, लुढ़क जाना ।

अच्छा लगता है, कभी-कभी
सरिता का निश्चलता से
यों ही तूफानों के साथ, बहते जाना
गिले बालू पर आड़ी-तिरछी रेखाओं का
महल बना कर, फिर गिरते देना ।

अच्छा लगता है कभी-कभी
ऊँचे दरस्तों के नीचे बैठ देखना
और मन्द समीर का, सर-सर बहना
उड़ते हुये लटों को झटकना
फरफराते हुये आँचल को पकड़ना ।

अच्छा लगता है, कभी-कभी
फूलों कि क्यारी मे, मधु से भरे
पंखुड़ियों पर तितलियों का, उड़ते जाना
कुछ अतीत, कुछ भविष्य के
सपनों का मोहक जाल, बिनते जाना ।



-सुभाष चन्द्रा
गोमती नगर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)



माया नवीन जोशी
जिला- उधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

शुभ-अशुभ के फेर में
शुभ-अशुभ के खेल में,
रंगों के इस मेल में,
हँसी-ठिठोली से भरी एक शाम थी।

उड़ना मखोल काले रंग का,
अक्सर बात होती यह आम थी।
यू तो होते बुरे काम दिवस के चकाचौंध में,
फिर क्यों काली रात बदनाम थी?
थक जाती दो नैना रंगों से
देती यही रैना विश्राम थी।

सफेद और काला

उड़ता देख मखोल अपना काला रंग बोला-
अशुभ होता मैं अगर तो
क्यों श्याम के मन को भाया था?
छोड़ रंग-बिरंगी सुबह दुपहरी
वह क्यों रात में आया था?
छोड़ सभी वर्णों को उसने
श्यामल रंग अपनाया था।

यही नहीं बगुला सफेद होने पर भी
कर्कश ध्वनि निकालता है।
कोयलिया का रंग है काला,
पर उसका मीठा गाना सबके मन को भाता है।

धरती की मन भाती हरियाली का श्रेय
काले बादल को जाता है,
स्वयं को पिघलाकर जो
धरती को तृप्त कर पाता है।

भूल गए क्यों काली गौ माता को
जो गुणकारी दूध पिलाती है,
पूत हो सपूत या कपूत दुनिया में
सबसे मातृत्व निभाती है।

बुरा ही होता रंग काला तो
नजर के फेर से कैसे बचाता है?
रंग अशुभ -शुभ तो बस मन का भाव है,
भाव शुद्ध हो अगर मन में तो
श्यामपट्ट भी भविष्य बनाता है।

नहीं तो फट कर सफेद चुना भी
दाग चेहरे पर छोड़ जाता है।
सजते काले बाल सिर पर
जवानी की एक कहानी है,
जबकि चमकते सफेद बाल भी
बुढ़ापे की एक निशानी है।

इलेक्ट्रिक वाहन समाचार

टाटा मोटर्स छोटे इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों की रेंज विकसित कर रही है

टाटा मोटर्स अंतिम छोर तक वितरण को पूरा करने के लिए छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की एक श्रृंखला विकसित करने के लिए काम कर रही है, यह जानकारी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी दी।

ऑटो प्रमुख, जो पहले ही देश के नौ से अधिक शहरों में 600 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति कर चुकी है, इलेक्ट्रिक उत्पादों की आपूर्ति के लिए कुछ ई-कॉमर्स खिलाड़ियों और कैप्टिव ग्राहकों के साथ बातचीत कर रही है।

टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ ने ऑनलाइन बताया कि यहां हम कुछ ई-कॉमर्स खिलाड़ियों और कुछ कैप्टिव ग्राहकों के संपर्क में हैं और वे समग्र समाधान देखने के लिए खुले हैं जो

उनके वितरण को शून्य उत्सर्जन में स्थानांतरित कर सकते हैं।

कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ ने ट्रक, बस और छोटे वाणिज्यिक वाहनों सहित 21 नए वाणिज्यिक वाहनों का अनावरण किया।

कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ ने कहा कि कंपनी लास्ट-माइल डिलीवरी के लिए इलेक्ट्रिक उत्पाद रेंज विकसित करने के लिए भागीदारों के साथ बातचीत कर रही है।

उन्होंने आगे बताया कि हम उनसे बात कर रहे हैं और पृष्ठभूमि में इस उद्देश्य के लिए वाहन विकसित कर रहे हैं। हम इस बात पर भी काम कर रहे हैं कि किस तरह का चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लगाया जाना चाहिए, किस तरह के वित्तपोषण की जरूरत

है और किस तरह की सहायता प्रदान की जानी चाहिए सुनिश्चित करें कि समाधान समग्र और टिकाऊ हो।

उन्होंने कहा कि बड़े वाहनों में, विद्युतीकरण की ओर प्रवास सीएनजी और अन्य वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से होगा। यह एक शानदार अनुभव है और हमने इसे अपने कुछ नए उत्पादों में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। यहां तक कि इलेक्ट्रिक सेगमेंट में भी हम मॉड्यूलर तरीके से काम कर रहे हैं, इसलिए एग्रीगेट, सॉफ्टवेयर और प्लेटफॉर्म सभी अलग-अलग किए जाते हैं।

सेमीकंडक्टर की कमी के मुद्दे के पर उन्होंने ने कहा कि कंपनी ने प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न रणनीतियों को तैनात किया है।



SAM
Above & Beyond

www.sambattery.com
info@sambattery.com

COMPLETE RANGE OF
MOTORCYCLE
BATTERY




SAM BATTERY INDIA PVT. LTD.
+91 9654788882, 86

LONG LIFE | MAINTENANCE FREE

1. **Debdutta Purkait**
Village Dhopagachi Baruipur
P. O. Kundarali P. S. Baruipur
Dist South 24pgs
State West Bengal
Mob.: +91 7980629077
2. **Shiva Kumar**
25/A1 3rd Stage, Indl Suburb,
Vishweshawarnagar,
Mysore-570008
Mob. : 7022314748
3. **Ritesh Pokar**
Ambica Nagar 1,
Mandvi-Nakhtrana High way,
Gadhsisa
Mob. : 9727775474
4. **JamesDip**
Mob. : 89577131157
Telegram-@FeedbackMessages
Skype live:contactform_18
WhatsApp +375259112693
5. **Mike Johnson**
Mob. : 88881467439
6. **Mike Sheldon**
Mob.: 87641811486
Hilkom Digital Team
support@hilkom-digital.de
7. **Chau Cheung**
haushuicheung
hongkongsolicitors.org
Mob. : 86333984168
8. **David Song**
Email:davidsong2030@gmail.
com
Mob. : 82713474577
9. **MUHAMMEDALI OM**
SMB ENGINEERING
Venappara po
Calicut, Kerala-673582
Mob. : +91 98468 81351
10. **Arihant Burad**
Kiran Power House
216, Kundan Nagar Vistar
Outside Mewari Gate,
Beawar-305901
Mobile : 9468948911
11. **Rajesh Sahu**
Raj Super Power
5, Archana Colony, Sabji Mandi
Road, Beawar, Rajasthan
PIN : 305901
Mob.:9950197975,9468695986
12. **Muhammad Suhail**
SARANG BATTERIES
123/347,SiklineCaradianpurwa
Near Fazalgani (Kanpur Nagar)
U.P., PIN : 208022
Mob. : 9956095221
13. **SURESH KUMAR SAINI**
SEVA PRIME ENERGY PVT.
LTD.
39, Bhairu Nagar, Khirdiyon ka
Bas Near VKI Road No. 14, Over
Bridge, Jaipur -302013
Mob. : 7300170380
14. **MR. NAZIM ALI**
NAZIM TRADERS
Swar Road Khoad,
Rampur, U.P.-244901
Contact No. : +91 75338 97798

www.batterybusiness.in



बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक Battery Business

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

सदस्यता प्रपत्र

फोटो

नाम _____

पता _____

पता _____ फोन _____

मोबाइल _____ ई-मेल _____

दिनांक _____ हस्ताक्षर _____

विज्ञापन दर

पिछला आवरण	5000/- रुपये		
प्रथम आवरण के पीछे	4000/- रुपये		
पिछले आवरण के पीछे	4000/- रुपये		
पूरा पृष्ठ	3000/- रुपये	आधा पृष्ठ	2000/- रुपये
चौथाई पृष्ठ	1500/- रुपये	न्यूनतम	1000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि

एक वर्ष : 1200/- रुपये दो वर्ष : 1800/- रुपये
पांच वर्ष : 4000/- रुपये आजीवन : 11000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि चैक/ड्राफ्ट "designworld" के नाम WZ-572N, BACK SIDE, NARAINA VILLAGE DELHI-110028 के पते पर भेजें।

ड्राफ्ट या चैक यस बैंक के नाम पर देय होगा।

Paytm, googlepay, phone pe No. 9582593779



RANQERS

POWER YOU RELY ON..

***INVERTER, AUTOMOTIVE,
SOLAR & BIKE BATTERIES***

**UNMATCHED
PERFORMANCE**



Toll free-18003099596



बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

Website : www.batterybusiness.in

Email : info@batterybusiness.in



Toll Free : 1800-891-3910

GO SOLAR WITH STAXXA SOLAR



HIGH POWER OUTPUT

Compared to normal module
the power output can increase 5W-1CW

Complete Range of High Efficiency Solar Panels available Models

12V Poly Series :

40W, 50W, 75W, 100W, 160W

24V Poly Series :

335W, 350W

Monoperc 24V Series :

400W



SPECIAL 5 BUSBAR DESIGN



The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

IP67 RATED JUNCTION BOX

IP67

The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

Email : customercare@staxxasolar.com | Web : www.staxxasolar.com